बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था

सत्संग शिक्षण परीक्षा (पूर्व कसौटी - १७ जून, २००७)

(समय : दोपहर २:०० से ५:००) **सत्संग प्रवीण - २** **कुल प्राप्तांक : १००**

सूचना : दाहिनी ओर दिए गए अंक उसी प्रश्न के उत्तर के पृष्ठ क्रम बताते हैं ।

विभाग-१ : किशोर सत्संग प्रवीण -प्रथम आवृत्ति, अप्रैल - २००३

प्रश्न.१. निम्नलिखित विधान कौन, किसे और कब कहता है यह लिखिए । (९ गुण)

१. ''या तो वे भगवान नहीं हैं, या फिर तुमने पहचानने में गलती की है ।'' ९१
२. ''तुम्हारे गुरुजी को पहले कभी एसा हुआ था ?'' ६६
३. ''परंतु आप के डोसाभाई तो शिखा पर्यन्त व्यवहारकार्यों में डूबे हुए हैं ।'' ८९

प्रश्न.२. निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं तीन के बारे में कारण लिखिए । (बारह पंक्ति में) (९ गुण)

१. श्रीजीमहाराज ने वचनामृत में सोमला खाचर की प्रशंसा की । ३०
२. रामबाई ने पानी के घड़े में महाराज का चरण स्पर्श करवाया । ७७
३. श्रीजीमहाराज ने मूलजी और कृष्णजी को दीक्षा दी । ९६
४. कृपानंद स्वामी के मतानुसार ज्ञानी बनें, किन्तु प्रेमी नहीं । ५७

प्रश्न.३. निम्नलिखित विषय पर प्रमाणसर टिप्पणी लिखिए । (बारह पंक्तियों में) (८ गुण)

१. वेदरस । ३६

अथवा

२. उपासना । ७२
३. स्वयंप्रकाशानंद स्वामी । ६५

अथवा

४. अलैया खाचर । २०

प्रश्न.४. निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । (६ गुण)

१. स्वामिनारायण संप्रदाय के साधुओं की समाज में अनोखी प्रतिभा क्यों हैं ? १५
२. 'जयसि नारायण सर्वकारण सदा' - इस प्रार्थना के रचयिता कौन है? १०
३. क्या करने से मनुष्य के जाने-अनजाने पाप नष्ट हो जाते हैं ? २४
४. शिक्षापत्री की आज्ञानुसार दसवाँ-बीसवाँ भाग धर्मदान के लिए न देने से क्या होता है ? ३
५. वचनामृत गढड़ा प्र.२७ के अनुसार श्रीजीमहाराज कहाँ, किस प्रकार रहे है ? ४४
६. कल्याणदास किस शब्द के आधार पर त्यागी होने के लिए तैयार हो गए ? १३

प्रश्न.५. भगवान जीवों के..... (८७) - **'स्वामी की बातें' पूर्ण करके विवरण लिखिए ।** अथवा (५ गुण)

वचनामृत गढड़ा प्रथम प्रकरण - २२ (५८) **का विवरण लिखिए ।**

प्रश्न.६. निम्नलिखित वाक्यों में से विषय के अनुरूप केवल पाँच सही वाक्य ढूँढ़कर सिर्फ़ उसके नंबर लिखें । (५ गुण)

विषय : जेठा मेर । ५४

१. श्रीहरिने जेठा मेर को सारी रात उपदेश की बातें की । **२.** जेठा मेर ब्रह्मचर्य का व्रत का पालन करता था । **३.** मढडा, जेठा मेर के घर महाराज पधारे । **४.** महाराज ने जेठा मेर से कहा, ''तुम्हें संसार-बंधन नहीं करेगा।'' **५.** उनके ब्रह्मचर्यव्रत का फल देने के लिए महाराज उनके धर पधारे । **६.** महाराज ने कहा, ''जेठामेर, आप हमारे जती हैं।'' **७.** महाराज ने जेठामेर को दीक्षा देकर सर्वज्ञानंद नाम दिया । **८.** जेठामेर कृतयुग से ब्रह्मचर्यव्रत का पालन करते थे । **९.** श्रीहरिने उनको ब्रह्मचर्यव्रत समाप्त नहीं करने को कहा । **१०.** ब्रह्माजी ने जेठामेर से कहा, ''आपको जन्म देनेवाले मातापिता भी धन्य हैं ।''

केवल नंबर - ☐ ☐ ☐ ☐ ☐

प्रश्न.७. निम्नलिखित पंक्ति को पूर्ण कीजिए। (८ गुण)

१. ''वहाला तारी जंधा जुगलनी ..... मारा चित्तमां रे लोल ।'' ६९
२. ''एटलु मागिये छैये ..... उगारी लेज्यो ।'' ८२
३. ''प्रीत कर प्रीत कर ..... तत्काल त्यारे ।'' १७
४. ''जयसि नारायण ..... सुखद स्वामी । ९

प्रश्न.८. निम्नलिखित कीर्तन/अष्टक/श्लोक आदि को सूचनानुसार पूर्ण कीजिए । (६ गुण)

१. जनमंगलस्तोत्रमम : ॐ ज्ञानिने नमः ..... ॐ श्री सदोन्निद्राय नमः।। ५०
२. मायामयाकृति ..... शरणं प्रपद्ये ॥ २६
३. अहो बत श्वपचोडतो ..... गृणन्ति ये ते ।। : श्लोक का हिन्दी भाषांतर कीजिए । १००

(पृष्ठ पलटिये)

प्रति,

परीक्षा व्यवस्थापक (दिनांक १७ जून, २००७; परीक्षा - सत्संग प्रवीण - २; माध्यम - हिन्दी; समय - दोपहर २:०० से ५:००)

सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय - अहमदाबाद द्वारा किए हुए पूर्व कसौटी के आयोजन में मैंने स्वयं कक्ष में (बैठक कक्ष में) उपस्थित रहकर परीक्षा दी है। निम्नलिखित बातें सही हैं, यह आप की जानकारी के लिए है। **६०२**

परीक्षार्थी की अटक : परीक्षा दिनांक :

परीक्षार्थी का नाम : परीक्षा का समय :

पिता / पति का नाम : बैठक क्रमांक : ☐☐☐☐☐☐

परीक्षा स्थल का नाम : केंद्र नंबर : ☐☐☐☐

परीक्षार्थी के हस्ताक्षर : केंद्र का नाम :

सूचना : सिर्फ़ उपस्थित परीक्षार्थी भूले बिना इस उपस्थिति स्लीप को काटकर, सभी विगत भरकर केन्द्र व्यवस्थापक को दे दें। सिर्फ़ कक्ष में (बैठक कक्ष में) उपस्थित रहने वाले परीक्षार्थी की उपस्थिति स्लीप इकट्ठा करके सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय - अहमदाबाद को जमा करा लें ।

विभाग-२ : गुणातीतानंद स्वामी -प्रथम आवृत्ति, नवम्बर २००२

प्रश्न.९. निम्नलिखित विधान कौन, किसे और कब कहता है यह लिखिए । (९ गुण)

१. ''प्रागजी तू जूनागढ़ जा, मैंने तुझे जो आशीर्वाद दिए हैं उन सब की पूर्ति जूनागढ़ के जोगी करेंगे ।'' ७९

२. ''हमें श्रीजीमहाराज की आज्ञा है, हम चाँदी और काष्ठ दोनों को कचरा हीं समझते हैं, फिर भी काष्ठ रूपी कचरे का ही उपयोग कर सकते है ।'' ८५

३. ''मोवडी वही होता है, जो सेवा करने में देह की परवाह नहीं करता, उसे देखकर शिष्यों को सेवा करने का बल मिलता है ।'' ७०

प्रश्न.१०. निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं तीन के बारे में कारण लिखिए । (नौ पंक्ति में) (९ गुण)

१. जूनागढ़ पधारे हुए तरणेतर के महंत को आश्चर्य हुआ । ७४

२. बहाउद्दिन रंक से राजा बन गया । ६८

३. साकरबा और भक्त महाराज की मधुरवाणी सुनकर मुग्ध हो गए । १३

४. वालेरा वरु को संपत्ति वापस मिल गई । ५८

प्रश्न.११. निम्नलिखित में से किन्हीं दो विषय पर प्रमाणसर टिप्पणी लिखिए । (बारह पंक्तियों में) (८ गुण)

१. अनादि के सेवक । ४०

२. गुणातीत बातें । ५३

३. नागर भाविक का परिवर्तन । ६८

प्रश्न.१२. निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । (६ गुण)

१. शुकजी ने व्यासजी को किस तरह उत्तर दिया था ? ३६

२. मुक्तानंद स्वामी की तरह किसने सोने की तैयारी की ? १८

३. साकरबा ने ठाकुरजी की मूर्ति पर क्या देखा ? ३

४. महाराज ने लोज में कुरजी दवे से क्या कहा था ? ४५

५. लक्ष्मण किस लिए गुणातीतानंद स्वामी के चरणारविंद अपनी छाती में लगाने लगा ? ४२

६. स्वामी के सत्संग हेतु आनेवाले सोरठ के हरिभक्तों में से किन्हीं पाँच के नाम लिखिए ? ५१

प्रश्न.१३. निम्नलिखित किन्हीं एक प्रसंग को संक्षिप्त में बयानकर भावार्थ लिखिए । (बारह पंक्तियों में) (४ गुण)

१. सोरठ का सत्संग । ७६

२. मूर्ति में आसक्त । ३७

३. पितांबरदास का परिवर्तन । ८१

प्रश्न.१४. निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें । (८ गुण)

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा ।

१. वासुदेवचरणदास को शांति हुई, कयोंकि.... ६३

(१) ☐ गन्ने के टुकडे खाए । (२) ☐ दादा खाचर के खपरैल का ध्यान किया ।

(३) ☐ चंपा के पुष्प की सुगंधी ली । (४) ☐ गार करने की सेवा की ।

२. वृत्ति का निरोध । २२

(१) ☐ प्रत्यक्ष दर्शन की खूब चाह रहती थी । (२) ☐ जिन्होंने नहीं देखा हो, वह खड़े हो ।

(३) ☐ वृत्ति के निरोध करनेवालें मात्र आप ही एक निकले । (४) ☐ बहुत आगे निकल जाओगे ।

३. गुणातीतानंद स्वामी ने कौन कौन से हरिभक्तों से उपदेश ग्रहण करने को संतों से कहा ? ७०

(१) ☐ वंथली के कल्याणभाई । (२) ☐ चाडिया के राम भंडेरी ।

(३) ☐ हामापर के करसन बांभणिया । (४) ☐ बगसरा के वेला सथवारा ।

४. स्वामी ब्रह्मधाम में सिधार गए । ८६

(१) ☐ आश्विन शुक्ला त्रयोदशी । (२) ☐ आश्विन कृष्णा त्रयोदशी ।

(३) ☐ सं. १९२३ । (४) ☐ सं. १९३२ ।

सूचना : उपरोक्त सभी प्रश्नों में से कम या ज्यादा मात्रा में प्रश्न दिनांक १५ जुलाई, २००७ के दिन होनेवाली मुख्य परीक्षा में भी पूछे जाने की संभावनाएँ हैं ।

❋ ❋ ❋